तम् अधिकं व्यलोभयन्. Concitare in iram; Dr. 4. 24.: विलोभयामास परं वाक्यैर् वाक्यानि योजती. Delectare. R. Schl. II. 94. 1.: स्वस्थ चित्तं विलोभयन्.

2. लुभ् 6. *P.* perturbare. *Part. pass.* लुभित. *Cf.* लुप्.

c. वि *id.* Bhatt. 9. 40.: विलुभितं वातैः केशरम्.

लुम्ब् 1. et 10. *P.* (अर्दने; scribitur लुब्) vexare.

लुल् 1. *P.* agitare, perturbare. R. Schl. II. 42. 29.: बभूव लुलितम् मनः; 65. 18.: शोकाश्रुलुलिताननाः *Cf.* लुड्.

लुष् 1. *P.* (स्तेये *v.*) furari. (*Cf.* लूष्, मुष्.)

लुह् 1. *P.* (गार्ध्ये) desiderare, appetere. (Cf. 1. लुभ् et v. gr. 104.)

लू 9. *P. A.* लुनामि, लुने (v. gr. 385.) findere, abscindere, desecare, evellere. Ragh. 3. 59.: पतत्रिणा शरासनज्याम् अलुनात्; Dr. 5. 6.: सिंहस्य पक्ष्माणि मुखाल् लुनासि. Bhatt. 9. 80.: नासाम् ... लुलाव. — *Part. pass.* लून. R. Schl. I. 55. 10.: लूनपक्ष इव द्विजः. (Cf. लुप्, gr. λύω, lat. *so-lvo, so-lû-tum* = संलू; goth. *LUS* (*fra-liusa* perdo, laus, lusum) adjectâ sibilante; *lausja* solvo; lith. *láuju* desino, cesso = Caus. लावयामि; slav. *rv-a-ti* evellere, *runo*, gen. *runes-e* vellus, v. Miklosich p. 75.; *rus̀-i-ti* evertere.)

लून v. लू.

लूप् 10. *P.* (वधे स्तेये *v.*) occidere; furari. (*Cf.* लुप्, मुष्, लू.)

लेख *n.* (r. लिख् s. अ) epistola. Ur. 24. 5. infr.

लेखा *f.* (r. लिख् s. अ in *fem.*) linea, virga. In. 5. 15.

लेप् 1. *A.* (गमने) ire.

लेप *m.* (r. लिप् s. अ) unguentum.

लेपन *n.* (r. लिप् s. अन) *id.* Lass. 11. 2.

लेश *m.* (r. लिश् s. अ) particula, res minuta, parva. Am. (= लव q. v.) *in fine compp.* Megh. 105.: अश्रुलेशाः. (*r.* लिश्.)

लोक् 1. *A.* videre. 10. *P.* (भाषार्थे *K.* दीप्तौ *v.*) loqui; splendere. (Cf. लोच्, रुच्, lith. *laukiu* exspecto; lett. *lûk-ô-t* (*luhkoht*) videre; germ. vet. *lôgên, luogên* videre; angl. *look*; v. रुच्.)

c. अव 1. *A.* et 10. *P.* videre, conspicere, aspicere, intueri. Hit. 10. 1.: तांस् तण्डुलकणान् अवलोकयामास; 85. 15.: ऊर्ध्वम् अवलोकते; 22. 2.: मृगम् अनागतम् अवलोक्य; 120. 16.: चक्रवाकसदृशश्च मन्त्री न क्वा ऽप्य् अवलोक्यते.

c. अव praef. सम् 10. *P.* inspicere, perlustrare. Hit. 106. 1.: योधान् समवलोकयेत्.

c. आ 1. *A.* et 10. *P.* intueri, aspicere, inspicere, conspicere, spectare, contemplari. N. 9. 5.: पुष्करम् आलोक्य; Dr. 1. 14.: माम् एवा ऽलोक्य सुन्दरी भवेत्; Ragh. 14. 29.: आलोकयिष्यन् मुदिताम् अयोध्याम् प्रासादम् ... आरुरोह; Bhatt. 2. 24.: आलुलोके ... तपोवनम्; Mah. 3. 11024.: वनान्य् उपवनानिच आलोकयन्तस् ते जग्मुः.

c. आ praef. सम् *id.* Mah. 2. 775. 3. 16850.

c. वि 1) videre, conspicere, spectare, contemplari. Ragh. 2. 11.: अस्य ... विलोकयन्त्यो वपुः ... हरिण्यः. 10. *A.* R. Schl. I. 44. 19.: व्यलोकयन्त ते तत्र गगनाद् गाङ्गतान् नदीम्. 2) ultra aliquid prospicere. Man. 8. 239.: वृतिन् तत्र प्रकुर्वीत याम् उष्ट्रो न विलोकयेत्.

c. वि praef. प्र prospicere. R. Schl. I. 9. 59.: सर्वतः प्रविलोकयन्.

लोक *m.* (r. लोक् s. अ) 1) mundus. In. 1. 14. H. 1. 36. Br. 1. 14. Su. 1. 25. 2) *in plur. vel initio comp.* homines. Lass. 1. 2. 12. 13. (Cf. lat. *locus*, lith. *laukas* campus.)

लोच् 1. *A.* videre. 10. *P.* (भाषार्थे *K.* भासे *v.*) loqui; lucere. (Cf. लोक् unde लोच् mutatâ gutturali in lab.)

c. आ 1) videre, conspicere. Mah. 2. 617.: आलोच्य गिरिमुख्यन् तम्. 2) considerare, reputare, cogitare. Hit. 10. 10.: लोभाकृष्टेन केनचित् पान्थेना ऽलोचितम्; 14. 17. et 91. 19.: इत्य् आलोच्य.

लोचन *n.* (r. लोच् s. अन) oculus. Megh. 28. Ragh. 3. 41. H. 2. 36.

लोट् 1. *P.* (उन्मादे) mente captum esse; *v.* लोड्, लौड्.